भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2565

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में नई पर्यटन परियोजनाएं

†2565. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान केरल राज्य के लिए स्वीकृत या अनुमोदित नई पर्यटन परियोजनाओं का वर्ष, परियोजना और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजनाओं के लिए आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केरल में स्वदेश दर्शन योजना, प्रसाद योजना या अन्य केंद्रीय पर्यटन पहलों के अंतर्गत कोई परियोजना वर्तमान में कार्यान्वयनाधीन है और यदि हाँ, तो उनकी वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का केरल में नए पर्यटन परिपथ, इको-पर्यटन केंद्र, क्रूज पर्यटन अवसंरचना, विरासत संरक्षण परियोजनाओं या डिजिटल पर्यटन पहलों को मंजूरी देने का विचार है; और

(ङ) सरकार द्वारा केंद्रीय सहायता के माध्यम से केरल में सतत पर्यटन और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): मंत्रालय ने स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन स्थलों के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है और केरल सहित देश में 2208.31 करोड़ रु. की 53 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। यह योजना विभिन्न परियोजनाओं और पहलों में स्थायी और उत्तरदायी पर्यटन प्रथाओं के कार्यान्वयन पर फोकस करती है एवं स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों जैसे कि पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और रोजगार सृजन सहित आर्थिक स्थिरता को भी प्राथमिकता देती है। एसडी 2.0 योजना और चुनौती आधारित गंतव्य विकास (स्वदेश दर्शन योजना के तहत एक पहल) के तहत, देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास एवं अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को उनसे सरकारी निर्देशों, योजना दिशानिर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है।

लागू योजनाओं के तहत परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करना एक सतत प्रक्रिया है। गंतव्य पर स्थिरता, सुरक्षा, स्वच्छता, डिजिटल पहलों आदि से संबंधित पर्यटन सुविधाओं का संवर्धन करने वाले घटकों की एक श्रृंखला को परियोजना की आवश्यकतानुसार मंजूरी देने पर विचार किया जाता है।

इसके अलावा, मंत्रालय अपनी 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के तहत चिह्नित तीर्थस्थलों और विरासत स्थलों के एकीकृत विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों की परियोजनाओं को भी मंजूरी देता है।

केरल राज्य में एसडी 2.0 एवं सीबीडीडी के तहत स्वीकृत एवं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में परियोजनाएं और प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

भारत सरकार ने वर्ष 2024-25 में 'राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक पहल के तहत 'कोल्लम में 'अष्टमुडी जैव विविधता और इको-मनोरंजन केंद्र' के लिए 59.71 करोड़ रु. और 'सरगालय में मालाबार के सांस्कृतिक केंद्र का वैश्विक प्रवेश द्वार' के लिए 95.34 करोड़ रु. की परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की और ये परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं।

*****

अनुबंध

श्री कोडिकुन्नील सुरेश द्वारा केरल में नई पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 09.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †2565 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

केरल राज्य में एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

योजना	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**जारी की गई/ उपयोग की गई/उपयोग के लिए/अधिकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**स्थिति**
स्वदेश दर्शन 2.0	2024-25	अलप्पुझा: एक वैश्विक जलीय वंडरलैंड	93.18	9.32	कार्यान्वयन के चरण में
	2024-25	मलमपुझा गार्डन और लीज़र पार्क में पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना	75.87	7.59	वही
	2023-24	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य का अनुभव	13.81	1.38	वही
सीबीडीडी	2024-25	वर्कला-दक्षिण काशी	25.00	2.50	वही
	2024-25	थालास्सेरी: आध्यात्मिक जुड़ाव	25.00	2.50	वही
प्रशाद	2016-17	गुरुवायूर मंदिर में विकास	45.19	45.19	भौतिक रूप से पूर्ण

*****